

going to negotiate with the Pilots Guild. Why is it necessary if the complaint did not come from the Pilots Guild? That is one contradiction. Secondly, is it not the general policy of the Government of India in the IAC that pilots who have resigned and sought employment with other companies, as these two pilots have done in this case—are not encouraged, and yet actually, in the reply that we have got, they are sought to be given employment here. Why is there this modification from this rule made in the case of these two pilots only?

**Shri Mohiuddin:** I do not know whether there is any policy decision. As regards the contradiction, I do not think there is any contradiction. I have stated the facts. The fact is that in the Press interview, some junior pilots had stated....

**Shri Nath Pai:** It is the General Secretary and the President of the Guild who have complained.

**Shri Mohiuddin:** .... that they do not approve of that tentative proposal under the consideration of the management to recruit those pilots. But the authority with which any consultation should take place is not individual pilots, but the Guild. That is why I have stated that before a decision is taken, the Guild will be consulted.

**Shri Joachim Alva:** Why is it that we often hear of threats of strike in this strategic sector of Air India? Is it because they are dissatisfied with the quantum of salary they receive and, if so, have we explained to them that the IAF pilots receive less salary with greater risks? Or, is it because of the risk of unemployment when they are disabled? Or is it because we are unable to deal with them humanly, amiably and effectively.

**Shri Mohiuddin:** I think the hon. Member is mixing up Air India with IAC. The threat of strike about disablement was in IAC, not in AII. As far as Air India is concerned, there

was no threat of strike except what I have mentioned.

**श्री शिव नारायण :** जिन दो प्रफसरों को फिर से मुकर्रर किया गया है उनको पुराने ग्रेड में किया गया है या फ्रंज़ एप्वा-इंटमेंट उनका हुआ है ?

**श्री मुहीउद्दीन :** मुकर्रर किया ही नहीं गया है ।

**श्री तुलशीदास जाधव :** पायलट की मिनिमम और मैक्सिमम कितनी पे होती है ?

**श्री मुहीउद्दीन :** उनकी तनख्वाह की मेरे पास इस वक्त तफसील मौजूद नहीं है ।

#### राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद्

\*१११७. श्री श्रींकार लाल बेरबा : क्या परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद् स्थापित करने का विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो उक्त परिषद् के गठन की मुख्य बातें क्या हैं ?

परिवहन मंत्रालय में नौजहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) जी हां ।

(ख) प्रस्तावित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद् के विधान के मसौदे की मुख्य विशेषताओं को बताने वाला एक विवरण सभा पटल पर प्रस्तुत है । [पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल० टी०—२७४६।६४] राज्य सरकारों और मोटर गाड़ी बीमा समिति के विचारों को जो ध्य प्राप्त हुए हैं, मद्दे नज़र रखते हुए इस विधान के मसौदे में हेरफेर किये जाने की संभावना है । उपर्युक्त विचारों की जांच की जा रही है ।

[(a) Yes.

(b) A statement showing the broad features of the draft constitution of the proposed National Road Safety Council is laid on the Table of the House. [Placed in Library, See No. LT-2749/64]. This draft constitution is likely to be modified in the light of the views now received from the State Governments and the Motor Vehicles Insurance Committee and which are under examination].

श्री प्रो० कार लाल बोरवा : स्टेटमेंट को देखने से प्रतीत होता है कि सदस्यों को भत्ता वगैरह कुछ नहीं दिया जायेगा और जो अध्यक्ष बनेगा उसे तीन से पांच लाख रुपये तक जमा करने पड़ेंगे और जो सदस्य बनेंगे उनको तीन सौ रुपये या पच्चीस रुपये देने होंगे। मैं जानना चाहता हूँ कि यह पैसा किस काम में खर्च होगा जबकि भत्ता वगैरह कोई नहीं दिया जायेगा ?

श्री राज बहादुर : रोड सेफ्टी के प्रचार में और अन्य आवश्यक कामों में खर्च किया जायेगा।

श्री प्रो० कार लाल बोरवा : चालीस सदस्य संख्या जो इस में बताई गई है इस में क्या राज्य सरकारों के सदस्य भी लिये जायेंगे और जो समिति है वह क्या राज्यों से भी कुछ ताल्लुक रखेगी, या केन्द्र से ही रखेगी ?

श्री राज बहादुर : विवरण में सब ब्योरा दिया हुआ है। यह विचाराधीन है।

श्री प्रो० कार लाल बोरवा : यह नहीं दिया गया है कि राज्य सरकारों से भी यह समिति कोई ताल्लुक रखेगी या नहीं और चालीस जो संख्या है इस में क्या सभी राज्यों के प्रतिनिधि होंगे ?

श्री राज बहादुर : राज्य सरकारों से मशविरा किया गया है। उनकी रायें आई हैं। उनके मुताबिक कुछ हेरफेर किये जाने की बात है। मैंने यह बात पहले ही कह दी है।

श्री प्र० प्र० शर्मा : कौन कौन से इंटिरेस्ट इस में रिप्रिजेंटिड होंगे ? लेबर के रिप्रिजेंटिड भी इसमें होंगे या नहीं ?

श्री राज बहादुर : किस लेबर से इसको प्रागेनाइज किया जायेगा वह सब ब्योरा दिया हुआ है। Two representatives of the Union Ministry. It is all given in the statement.

श्री प्र० प्र० शर्मा : लेबर का कोई रिप्रिजेंटिड होगा या नहीं ?

श्री राज बहादुर : इस में लेबर रिप्रिजेंटिड का शायद सवाल नहीं आता है।

**Shri P. Venkatasubbaiah:** In the draft proposals that have been laid on the Table of the House, no mention has been made regarding the representative character of this Council, whether the recommendations would be obligatory or only recommendatory. May I know what is the position in this regard?

**Shri Raj Bahadur:** Transport is a subject which is under the executive responsibility of the State Government. The Road Safety Council will essentially be a body which will assist and help and advise by adopting certain measures. In that particular respect, it has to function as an advisory body.

**Shrimati Savitri Nigam:** May I know whether any instructions have been issued to enact some laws in order to make these things obligatory on the part of the people, the owners of vehicles and organisations?

**Shri Raj Bahadur:** It may be necessary to frame legislation for that. At any rate, for administration of third party insurance matters a statute will be required.

**Shri P. N. Kayal:** May I know why no representative of the labour has been taken on this body?

**Shri Raj Bahadur:** Essentially it is a matter of road safety in which all citizens, and not any particular faction or element in society, are interested.

**Shri Tulshidas Jadhav:** May I know whether the Government has given any orders to remove the curves on the roads where always accidents are taking place?

**Shri Raj Bahadur:** That is a matter which is constantly engaging the attention of the road authorities.

**Training Facilities for Royal Nepal Airlines**

+

\*1118. { **Shri Yashpal Singh:**  
**Shri N. R. Laskar:**

Will the Minister of Transport be pleased to state:

(a) whether the Royal Nepal Airlines Corporation have approached the Government of India for technical assistance for providing training facilities to pilots, engineers and technicians; and

(b) if so, the action proposed to be taken in the matter?

**The Deputy Minister in the Ministry of Transport (Shri Mohiuddin):** (a) Royal Nepal Airlines Corporation have approached the Indian Airlines Corporation for technical assistance and training of their Pilots, Engineers and technicians.

(b) Every possible technical help will be given to Rooyal Nepal Airlines Corporation.

**श्री यशपाल सिंह :** यह ट्रेनिंग हमारे यहां होगी या हमारे ट्रेनर नेपाल में जा कर ट्रेनिंग देंगे ।

**श्री मुहोजद्दीन :** ज्यादातर ट्रेनिंग तो यहीं होती है ।

**श्री यशपाल सिंह :** इस का खर्च नेपाल सरकार बदाश्त करेगी या हम को करना पड़ेगा ।

**श्री मुहोजद्दीन :** यह तो तफसीलात का सवाल है । इस में बहुत सी चीजें ऐसी हैं जिन में एक हद्द तक खर्च हम ही बदाश्त करते हैं, लेकिन यह तफसीलात हैं जिन के मुताल्लिक मसायल तय नहीं हुए हैं, वे अभी तय होने हैं ।

**श्री म० ला० द्विवेदी :** मैं जानना चाहता हूँ कि यह जो ट्रेनिंग होगी उस में कितने पाइलट्स को एक साथ ट्रेनिंग दी जा सकेगी और कितने अरसें तक ट्रेनिंग चलेगी ।

**श्री मुहोजद्दीन :** कितने पाइलट्स को ट्रेनिंग देने का सवाल यहां नहीं है, जैसे जैसे उन को पाइलट्स की जरूरत होगी, उन को ट्रेनिंग दी जायेगी ।

**श्री म० ला० द्विवेदी :** सवाल यह है कि कितने पाइलट्स एक साथ ट्रेनिंग पायेंगे ।

**श्री मुहोजद्दीन :** यह तो नेपाल सरकार पर मुनहसर होगा कि कितने पाइलट्स वह भेजते हैं ।

**श्री अ० प्र० शर्मा :** मैं जानना चाहता हूँ कि क्या अपने यहां ट्रेनिंग की कमी रहते हुए भी दूसरे लोगों को, नेपाल के लोगों को, यह ट्रेनिंग दी जायेगी, या पहले अपने यहां की कमी पूरी की जायेगी ।

**श्री मुहोजद्दीन :** हमारे यहां ट्रेनिंग की कोई कमी नहीं है ।

**श्री तन सिंह :** क्या मैं जान सकता हूँ कि यह जो असिस्टेंस मांगी गई है वह किन शर्तों पर दी जायेगी ।

**श्री मुहोजद्दीन :** कोई शरायत इसके लिये नहीं हैं ।

**श्री शिव नारायण :** मैं जानना चाहता हूँ कि पाइलट्स को जो ट्रेनिंग दी जाती है उस में कितने दिन लगते हैं ।